यहोशू

व्यवस्थाविवरण 34:8-12

तब परमेश्वर ने यहोशू को निर्देश दिया...
मेरा दास मूसा मर गया है।
तू और सारी प्रजा, यरदन पार उस देश को जाने को तैयार हो जिस मैं उनको देता हूँ
जो मैं ने मूसा से वायदा किया, अर्थात जिस जिस स्थान पर तुम पाँव धरोगे वह सब मैं तुम्हें दे दूँगा ।

कोई तेरे सामने युद्ध में ठहर न सकेगा।
जैसे मैं मूसा के संग रहा, वैसे ही तेरे संग भी रहूँगा।
इसलिये हियाव बाँधकर दृढ़ हो जा। जो व्यवस्था मेरे दास मूसा ने तुझे दी है उसका पूरा पालन कर।
तब तू सफल और कामयाब होगा।

अधिकारियों ने यहोशू के आदेश के अनुसार लोगों को चलने के लिए तैयार करना शुरू किया – परमेश्वर उन्हें यरदन के पार वायदे किए हुए देश में ले जाने के लिए तैयार कर रहा था।
ढाई जातियों ने अपने विभाजन को यरदन के पूर्व में ले जाने का फैसला किया।
यहोशू ने उन्हें याद दिलाया कि परमेश्वर ने क्या निर्देश दिया था।
अपने भाइयों की सहायता करो, जब तक वे भी भूमि का कब्ज़ा ना कर लें।
जो कुछ तू आज्ञा दे हम करेंगे, और जहाँ कहीं तू हमें भेजे हम जाएँगे।
जैसे हम मूसा की मानते थे वैसे ही तेरी भी माना करेंगे।
इतना हो कि परमेश्वर जैसे मूसा के संग रहता था वैसे ही तेरे संग भी रहे।

यहोशू 1:10-18

मैं चाहता हूँ कि तुम दोनों उस देश की जासूसी करो - वशिषकर यरीहो शहर की...
...भोगोलकि सथति - मोरचा बंदी कैसी दखिाई पड़ती है- जहाँ सेना के लिए ताजा पानी का आश्वासन दयिा जा सकता है।
जब वे यरीहो का सर्वेक्षण कर चुके तब वे एक ऐसे घर की खोज में थे जो शहर की दीवार के पास उनके बचने के लिए मददगार हो।
शहर में आने के बाद, उन्होंने एक जगह पाई जहाँ से कोई प्रत्यक्ष नहीं होगा - एक वेश्या का घर।
राहाब, स्त्री जानती थी कि वे इब्री लोग हैं।
वह और उस शहर के रहने वालों ने परमेश्वर द्वारा इस्राएलियों को छुटकारा देते हुए जो महान चन्हि दखिाए थे उनके वषिय में सुना था।
मेरे पीछे आओ।
छत पर इन लकड़ियों के नीचे ठहरे रहो।
तुम सुरक्षति रहोगे - अन्यथा दूसरे लोगों ने तुम्हें भीतर आते हुए देख लयिा होगा।

परन्तु बहुत देर हो गई ...
राहाब वेश्या के पास जाओ। मुझ तक यह बात पहुँची है क किई एक इस्राएली हमारे देश का भेद लेने को आए हुए हैं।
हम उनसे पूछ-ताछ करेंगे – और तब उनको घात कर देंगे।
खटखटाना
खटखटाना
आज शाम जो पुरुष तेरे यहाँ आए हैं उन्हें बाहर ले आ वे कहाँ हैं।
हाँ, मेरे पास कई पुरुष आए तो थे, परन्तु मैं नहीं जानती क वि कहाँ के थे।
जब शहर का फाटक बन्द होने लगा, तब वे नकिल गए; तुम फुर्ती करके उनका पीछा करो।
हमने सुना है क कैसे प्रभु ने तुम्हारे लएि लाल समुद्र का जल सुखा दयिा – और कैसे तुमने एमोरयिों का सत्यानाश कयिा।
तुम्हारे कारण कसिी के जी में जी न रहा; क्योंक तुिम्हारा परमेश्वर आकाश और पृथ्वी का परमेश्वर है।

यहोशू 2:2-11

मुझे एक नशिानी दो क तुम मुझे और
मेरे परविार को मृत्यु से बचा लोगे।
तुम्हारे जीवन
के बदले हमारा
जीवन !
यद तुम हमें धोखा ना दो, जब हमारा
परमेश्वर इस देश को हमारे हाथों में दे देगा हम तुम्हारे
साथ दया और वशि्वासयोग्यता के साथ वर्ताव करेंगे।
पहाड़ों की ओर चले
जाओ, ऐसा न हो क खोजने
वाले तुम को पाएँ।
जब हम इस देश में प्रवेश कर लें तब अपनी खड़िकी के
बाहर लाल रंग के सूत की डोरी बाँध देना।
जो कोई घर से
बाहर नकिले, उसके
खून का दोष उसी के
सरि पड़ेगा।
सहमत।

यहोशू 2:12-23

भेदियों ने अपने सेनापति के पास आकर उसे पूरी खबर दी।
नसिन्देह यहोवा ने वह सारा देश हमारे हाथ में कर दयिा है; उसके सारे नविासी हमारे कारण घबरा रहे हैं।
अगले दनि सवेरे यहोशू सब इस्राएलियों को साथ ले शत्तीम से यरदन के कनिारे आया; और वे पार उतरने से पहले वहीं टकि गए।
जब तुम को वाचा का सन्दूक और उसे उठाए हुए लेवीय याजक देख पड़ें, तब अपने स्थान से नकिल करके उसके पीछे पीछे चलना।
तब तुम देख पाओगे, क किसि मार्ग से चलना है, क्योंक अिब तक तुम इस मार्ग पर होकर नहीं चले।
पर तुम्हारे और सन्दूक के बीच हजार गज का अंतर हो – सन्दूक के पास ना जाना।

अपने आप को पवित्र करो; क्योंकि कल के दिन यहोवा तुम्हारे मध्य में आश्चर्यकर्म करेगा।
... यहोशू जानता था कि इस से पहले कि वे परमेश्वर के लिए प्रभावित हों, पहले उनके हृदय परमेश्वर के साथ उचित होना जरूरी है।
अगले सवेरे ....
वाचा का सन्दूक उठाकर प्रजा के आगे आगे चलो।
तब याजक वाचा का सन्दूक उठाकर प्रजा के आगे आगे वायदे किए हुए देश में चले।
और यहोवा ने जोशू पर हमला किया।
आज के दिन मैं सब इस्राएलियों के सम्मुख तेरी प्रशंसा करना आरम्भ करूँगा, जिस से वे जान लें कि जैसे मैं मूसा के संग था वैसे ही मैं तेरे संग भी हूँ।
वाचा के सन्दूक के उठाने वाले याजकों को बता दे, कि जब तुम यरदन के जल के किनारे पहुँचो, तब यरदन में खड़े रहना।

अपने परमेश्वर यहोवा के वचन सुनो
इस से तुम जान लोगे कि परमेश्वर तुम्हारे मध्य में है, और वह तुम्हारे सामने से निःसन्देह कनानियों को निकाल देगा।
सुनो, पृथ्वी भर के प्रभु की वाचा का सन्दूक तुम्हारे आगे आगे यरदन में जाने पर है।
अब हर एक गोत्र में से बारह पुरुषों को चुन लो।
जिस समय प्रभु यहोवा की वाचा का सन्दूक उठाने वाले याजकों के पाँव यरदन के जल में पड़ेंगे, उस समय यरदन का ऊपर से बहता हुआ जल थम जाएगा।
इस रीति से इस्राएली उस वायदे किए हुए देश की ओर आगे बढ़े जिसकी प्रतिज्ञा परमेश्वर ने उनके पुरखा अब्राहम से की थी।

यहोशू 3:9-14

यहोशू 3:15

याजक यहोवा की वाचा का सन्दूक उठाए हुए यरदन के
बीच स्थल पर खड़े रहे, और सब इस्राएली पार उतरते रहे।
परमेश्वर ने यहोशू को निर्देश दिया कि बारह पुरुष, यरदन
के बीच में से बारह पत्थर उठा लें जो एक चिन्ह ठहरे।
भविष्य में, जब तुम्हारी पीढ़ी तुमसे
पूछे, इन पत्थरों का क्या अर्थ है ?
उन्हें उत्तर दो, यरदन का जल यहोवा
की वाचा के सन्दूक के सामने से दो
भाग हो गया था।
सो यह पत्थर इस्राएल को सदा के लिये
स्मरण दिलाने वाले ठहरेंगे।
उस दिन यहोवा ने सब इस्राएलियों के सामने यहोशू की महिमा बढ़ाई;
और जैसे वे मूसा का भय मानते थे वैसे ही यहोशू का भी भय मानते रहे।

यहोशू 4:1-14

जब सब लोग पार उतर चुके, तब याजक और यहोवा का सन्दूक भी उनके देखते पार हुए।
और यरदन का जल अपने स्थान पर आया, और पहले के समान कनिारों के ऊपर फरि बहने लगा।
यहोवा ने हमें छुड़ाया है!
और यहोशू ने सभी इस्राएलियों से वही बात कही जो उसने अगुवों से कही थी।
जब तुम्हारे वंशज यह पूछें, कि इन पत्थरों का क्या मतलब है?
उनको बताना, कि इस्राएली यरदन के पार सूखी जमीन से चले आए थे।
इस अद्भुत काम की चर्चा आसपास के राजाओं तक पहुँची।
मेरे भेदियों ने अपनी आखों से यह सब देखा - जैसे ही वे पानी से बाहर आए पानी फरि से पहले के समान अपने स्थान पर बहने लगा।
इब्रियों के परमेश्वर के पास शक्तशिाली जादू है - हमने ऐसी बात के बारे में सुना नहीं एवं देखा भी नहीं है।

इस्राएलियों को वायदे किए हुए देश के लिए तैयार करने हेतु परमेश्वर एक और बात करने के लिए जा रहा था....
चकमक की छुरियाँ बनवा - जंगल के मार्ग में उत्पन्न हुए उनमें से किसी का खतना न हुआ था।
हमें परमेश्वर की वाचा को मानना होगा।
तब इस्राएलियों ने नए देश में पहला फसह मनाया...
... और जिस दिन वे उस देश की उपज में से खाने लगे, उसी दिन आकाश से मन्ना बन्द हो गया।
जैसे ही यहोशू और सेना यरीहो की ओर बढ़ने लगे, परमेश्वर ने एक और संदेश भेजा ...
क्या तू हमारी ओर है, या हमारे बैरियों की ओर?
अपने दास के लिये मेरे प्रभु की क्या आज्ञा है?
अपनी जूती उतार डाल, क्योंकि जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र है।

यहोशू 5:2-15

यरीहो के सब फाटक इस्राएलयियों के डर के मारे लगातार बन्द रहे।
शहरपनाह के भीतर जाना अपने आप में मुश्कलि दखिाई देता था- इसकी दो दीवारें थी। बाहरी दीवार छः फुट मोटी और भीतरी दीवार बारह फुट मोटी थी।
इसके अलावा, शहर एक पहाड़ी पर था – इस कारण हमला करने वालों के लिए बहुत नुकसानदायक था।
परन्तु परमेश्वर ने अपने सेनापतयियों को आगे बढ़ने का आदेश दयिा।
देख, मैंने यरीहो को तेरे वश में कर दयिा है।
उस नगर के चारों ओर अपने शूरवीरों समेत एक बार घूम आएँ।

यहोशू 6:1-4

6 दनि तक ऐसा ही करना।
परमेश्वर ने स्पष्ट नर्दिश दिए ...
सात याजक सन्दूक के आगे आगे सात नरसगि लिए हुए चलें।
यहोशू ने उन्हें एक अतरिक्ति आदेश दिया।
युद्ध के बारे में मत चल्लिाओ...
-- अपनी आवाजों को ऊँचा ना करो
-- उस दनि तक एक शब्द भी ना बोलना जब तक मैं तुम्हें चल्लिाने के लिए ना कहूँ।
फरि सातवें दनि तुम नगर के चारों ओर सात बार घूमना, और याजक भी नरसगि फूँकते चलें।

फरि सातवें दनि वे भोर को बड़े तड़के उठकर उसी रीतसि नगर के चारों ओर सात बार घूम आए।
सातवीं बार यहोशू ने कहा...

जय जयकार करो !
क्योंकि यहोवा ने यह नगर तुम्हें दे दिया है !
और नगर और जो कुछ उस में है यहोवा के लिये अर्पण की वस्तु ठहरेगी।
* पुरातत्व सबंधी -
जब यरीहो के नगर की खुदाई की गई उन्होंने इस बात को पाया कि दीवारें बाहर की ओर गिरीं – भीतर की तरफ नहीं जैसे कोई सेना हमला करते समय धकेलती है। पूरी तरह से, परमेश्वर ने दीवारों को गिरा दिया था।

यहोशू 6:15-17

यहोशू 6:17-25, इब्रानियों 11:31, याकूब 2:24-26

इसके बिलकुल साथ में एक छोटा नगर जिसका नाम ऐ था।
यहोशू ने मात्र 3,000 पुरुषों को भेजा ... परन्तु परिणाम उम्मीद से कहीं ज़्यादा भिन्न था।
ऐ के रहनेवाले बड़े जोरदार तरीके से आए और उन्होंने इस्राएलियों को घेर कर उनमें से छत्तीस पुरुष मार डाले।
लोगों के मन पिघल गए और यहोशू यहोवा के सन्दूक के सामने मुँह के बल गिर पड़ा।
अगुवों ने भी शोक व्यक्त किया।
खड़ा हो जा, तू क्यों मुँह के बल पृथ्वी पर पड़ा है?
इस्राएलियों ने पाप किया है; और जो वाचा मैं ने उनसे अपने साथ बँधाई थी उसको उन्होंने तोड़ दिया है।
उन्होंने अर्पण की वस्तुओं में से ले लिया... यदि तुम उन वस्तुओं को सत्यानाश न कर डालोगे, तो मैं आगे को तुम्हारे संग नहीं रहूँगा।
जब तक तू अर्पण की वस्तु को दूर न करे तब तक तू अपने शत्रुओं के सामने खड़ा न रह सकेगा।

यहोशू 7:1-13

अगले दिन सुबह यहोशू ने यहोवा की आज्ञा के अनुसार इस्राएलियों को आगे बुलाया – एक एक कुल करके।
तब एक एक कुल करके... एक एक घराना करके ... एक एक पुरुष करके ... जब तक आकान नामक मनुष्य पकड़ा ना गया।
हे मेरे बेटे, यहोवा की महिमा कर, इस्राएल के परमेश्वर यहोवा का आदर कर।
जो कुछ तू ने किया है मुझको बता, और मुझसे मत छिपा।
यह सत्य है! मैं ने परमेश्वर यहोवा के विरुद्ध पाप किया है...
जब मुझे लूट में बेबीलोन का एक सुन्दर ओढ़ना, और दो सौ शेकेल चाँदी, और पचास शेकेल सोने की एक ईंट...मैं ने उनका लालच करके उन्हें रख लिया।
दूत उस डेरे में दौड़े गए और उन वस्तुओं को वापस लाकर यहोशू के सामने रख दिया।
यहोशू और इस्राएलियों ने आकान और उसके सारे घराने को, और उसकी सम्पत्ति, चोरी के सामान के साथ उन सब को आकोर (पीड़ा) नाम तराई में ले गए।
तब सब ने आकान को और उसके परिवार को पत्थरवाह किया। उसे और जो कुछ उसके पास था आग में डालकर जला दिया गया।
इस्राएलियों ने उनके जले हुए शरीरों पर पत्थरों का बड़ा ढेर लगा दिया और पीड़ा की तराई में छोड़ दिया – उनकी छावनी में उनकी अनआज्ञाकारी का व्यवहार किया।

यहोशू 7:14-26

इस समय परमेश्वर ने यहोशू को युद्ध की नई योजना दी।
कुछ पुरुष शहर में घात में बैठने को चले गए, जबकि कुछ शहर के मध्य में टिके रहे।
यहोशू ने उसके सबसे अच्छे 30,000 सिपाहियों को चुना और रात में बाहर निकले।
अगली सुबह ऐ के राजा ने सभी सिपाहियों को बाहर भेजा - शहर में किसी को ना छोड़ना।
उन्हें नाश करो - पहले की तरह।
इन पाखंडी इब्री गुलामों को ऐसा सबक सिखाओ कि वे मिस्र को वापस चलें जाए - कभी वापस ना आए!
इस्राएली ऐ के साथ पिछले युद्ध के समान भागने लगे।
देखो - वे पहले की तरह - भाग रहें हैं।
जल्दी से - उनका पीछा करो,- सभी को तलवार से घात करो!
लेकिन उसके बाद ऐ के सिपाही इस्राएली सेना का पीछा करने को बाहर निकले - सैनिक जो घात में छिप कर बैठे थे वे नगर में भागे।

इब्रियों ने घूम कर देखा और उस दिन ऐ के सैनिक उनके आगे पूरी तरह हार गए।
हम फस गए ...
मुड़ो – और हमला करो!
इस्राएलियों ने पूरे नगर को तलवार से घात किया – परन्तु जैसे परमेश्वर ने कहा था लूट का सामान और जानवरों को रख लिया।
ऐ के नगर को जला दिया गया, राजा को साँझ तक वृक्ष पर लटका रखा और नगर के फाटक के सामने उस पर पत्थरों का ढेर लगा दिया।
तब यहोशू ने लोगों को रुकने के लिए कहा और उपासना करने में अगुवाई की।
एबाल पर्वत पर उसने समूचे पत्थरों की एक वेदी बनवाई - जैसा मूसा की व्यवस्था की पुस्तक में लिखा है।
मानव प्रदर्शन पर जोर दिए बिना - यह एक स्मारक था कि उपासना सरल होनी चाहिए।
तब यहोशू ने आशीष और शाप की व्यवस्था के सारे वचन.... जैसे जैसे व्यवस्था की पुस्तक में लिखे हुए हैं वैसे वैसे पढ़ पढ़कर सुना दिए।

प्रतिज्ञा अनुसार इस्राएलियों की सफलता हुई – उस जगह के राजा आपस में इकठ्ठा होने लगे।
एक समूह ने एक अन्य योजना बनाई...
तुम कौन हो और कहाँ से आए हो ?
बहुत दूर के देश से तेरे परमेश्वर यहोवा का नाम सुनकर आए हैं।
उनकी टोकरियों और सामान की जाँच करो।
क्या जाने तुम हमारे बीच में ही रहते हो; फिर हम तुम से वाचा कैसे बाँधें?
इस्राएलियों ने यहोवा से बिना सलाह लिये - उनके भोजन में से कुछ ग्रहण किया।
तीन दिन के बाद जब उन्होंने साथ के नगर पर चढ़ाई करने की योजना बनाई – उन्हें मालूम हुआ कि यह वही लोग हैं जिनके साथ वाचा बाँधी है।
यहोशू जानता था कि परमेश्वर के क्रोध का सामना किए बिना शपथ को तोड़ना संभव नहीं है...
... इसलिए इस्राएलियों ने गिबोनियों को छोड़ दिया और उनसे लकड़हारे और पानी भरने वाले के रूप में काम लिया।

लेकनि यह समाचार कगिबोन के साथ इस्राएल की संधआसपास के राजाओं के साथ सही नहीं रही।
मेरे पास आकर मेरी सहायता करो, और चलो हम गबीोन को मारें; क्योंकउिसने यहोशू और इस्राएलयिों से मेल कर लयिा है।
पाँचों एमोरी राजाओं ने अपनी अपनी सारी सेना इकट्ठी करके चढ़ाई कर दी, और गबिोन के सामने डेरे डालकर उस से युद्ध छेड़ दयिा।
यहोशू को संदेश भेज – उसे हमें बचाने के लए शीघ्रता से आना होगा।
सारे एमोरी राजा सेना के साथ मलिकर हमारे वरिुध इकट्ठा हुए हैं।
जल्दी से, सारे अच्छे सपिाहयिों को छावनी के पास इकट्ठा करो।
हम गबीोन पर चढ़ाई करेंगे।
उनसे ना डरो।
मैंने उन्हें तुम्हारे हाथों में दे दयिा है।
उनमें से एक भी तेरे सामने टकि ना पाएगा।

इस्राएली सेना ने पूरी रात कूच किया।
एमोरी सेना घबराहट में पड़ गई।
इन्होंने सारी रात कूच किया होगा!
जल्दी से – पीछे हटो और फिर से युद्ध की पाँत तैयार करो।
लेकिन परमेश्वर ने एमोरियों के पाँच अलग-अलग सेनाओं को ऐसी उलझन में उलझा दिया कि वे पास के नगर की ओर भागने लगे ....
अईओ! ओले / बड़े पत्थर!
इब्रियों का परमेश्वर ही ऐसा कुछ कर सकता है।
ओले आकार में बड़े थे साधारण नहीं।
ओलों की मार इतनी भयंकर थी कि तलवार से ज़्यादा ओलों से मर गए।

लड़ाई जारी रही और उन्होंने एमोरियों का पीछा कयिा,
यहोशू पूरी सेना और परमेश्वर की उपस्थति में
खड़ा रहा और एक साहसकि प्रार्थना की।

हे सूर्य, गबिोन पर थमा रह।
हे चँद्रमा, अय्यालोन की तराई के ऊपर थमा रह।
परमेश्वर ने प्रार्थना का उत्तर दिया और सूर्य उस समय तक थमा रहा और लगभग चार पहर तक न डूबा?
न तो उससे पहले कोई ऐसा दिन हुआ और न उसके बाद, जिसमें यहोवा ने किसी पुरुष की सुनी हो।

यहोशू 10:15-12:24

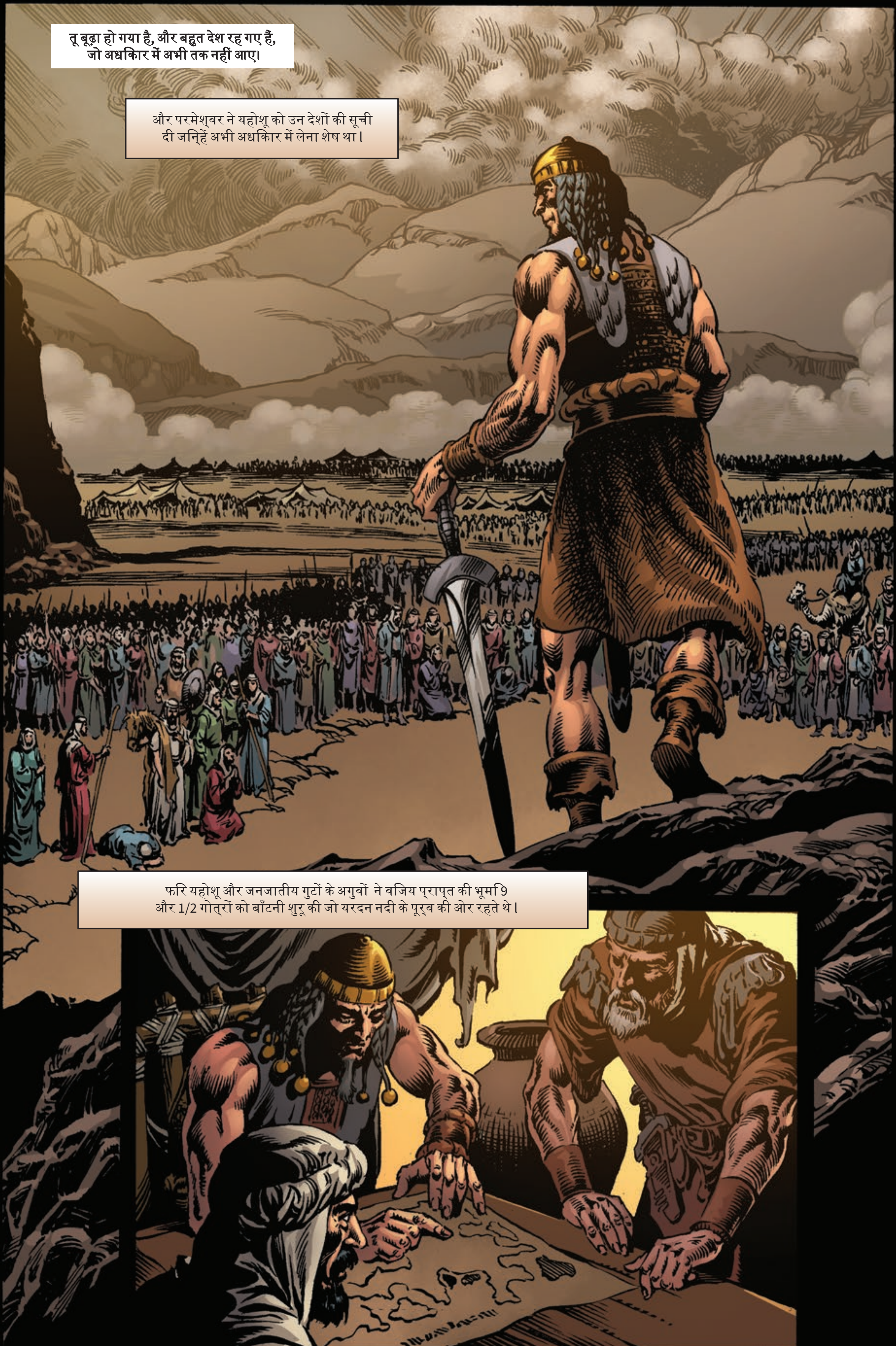
तू बूढ़ा हो गया है, और बहुत देश रह गए हैं, जो अधकिार में अभी तक नहीं आए।
और परमेश्वर ने यहोशू को उन देशों की सूची दी जन्हिें अभी अधकिार में लेना शेष था।
फरि यहोशू और जनजातीय गुटों के अगुवों ने वजिय प्राप्त की भूमि9 और 1/2 गोत्रों को बाँटनी शुरू की जो यरदन नदी के पूर्व की ओर रहते थे।

यहोशू 13:1-7

इस्राएलयियों ने, जैसे यहोवा ने मूसा को आज्ञा दी थी शरणार्थयियों के लिए भी नगरों को ठहराया जहाँ लोग आकस्मकि मृत्यु के मामले में शहरों में आश्रय प्राप्त कर सकते हैं।
लेवयियों – याजक गोत्र – के लिए भी कस्बों और हरयिाली मैदानों को दयिा गया।
इस्राएलयियों ने यूसुफ की हड्डयियों को जो वे मसि्र से ले आए थे, दबा दयिा – जैसे उसने वनिती की थी।
इस्राएल के घराने के प्रत परिमेश्वर के सभी वायदों में से एक भी वायदा असफल नहीं हुआ, एक एक वायदा पूरा हुआ।

2/1/2 पूर्वी गोत्रों ने अपनी जिम्मेदारी को पूरा किया, अपने भाइयों को वापस अपने घर लौटने में सहायता की।
परन्तु यरदन नदी पर उन्होंने एक वेदी बनाई।
अपनी सेना को तैयार करो – इस बार हम अपने भाइयों के खिलाफ़ चढ़ाई करेंगे।
क्यों?
उन्होंने यहोवा के निरादर में अपनी वेदी बनाई और वे मूर्ति-पूजा की ओर फिर गए।
वे अपने लोगों पर फिर से परमेश्वर के श्राप को लेंगे।
पीनहास याजक उनका सामना करने के लिए वहाँ गया है।
ये तुमने क्या किया?
तुम परमेश्वर यहोवा से इतनी जल्दी कैसे फिर सकते हो?
यह बात हम से दूर रहे कि यहोवा से फिरकर उसके पीछे चलना छोड़ दें!
हमने ऐसा किया कि एक यादगार रहे और उसका भय बना रहे कि एक दिन तुम्हारे वंशज हमारे वंशजों से कहेंगे - कि यहोवा इस्राएल के परमेश्वर में तुम्हारा कोई भाग नहीं?
आज हम ने जान लिया कि यहोवा हमारे बीच में है - क्योंकि तुम लोग यहोवा के साथ अविश्वास के साथ नहीं चले।
उस तरह पूर्व के 2 / 1/2 गोत्र शांतिपूर्ण रीति से अपने भाग वायदे की भूमि में लौट आए।

यहोशू ने शेष गोत्रों को उसकी अंतिम विदाई के लिए इकट्ठा किया।
उसने उन सभी कामों को दोहराया जो परमेश्वर ने मिस्रियों से छुड़ाने और वायदे की भूमि में लाने के लिए किए थे।
अब प्रभु का भय मानो और विश्वासयोग्यता से उसकी सेवा करो।
और यदि यहोवा की सेवा करनी तुम्हें बुरी लगे, तो आज चुन लो कि तुम किसकी सेवा करोगे...
परन्तु मैं तो अपने घराने समेत यहोवा की सेवा नित करूँगा।
यहोवा को त्यागकर दूसरे देवताओं की सेवा करनी हम से दूर रहे।
हम तो अपने परमेश्वर यहोवा ही की सेवा करेंगे।

यहोशू ने इस वाचा को परमेश्वर की व्यवस्था की पुस्तक में लिख दिया।
यह पत्थर हम लोगों का साक्षी रहेगा, क्योंकि जितने वचन यहोवा ने हम से कहें हैं उन्हें इसने सुना है।
यदि आप परमेश्वर के प्रति विश्वासघाती हैं तो यह आपके खिलाफ एक गवाही होगी।

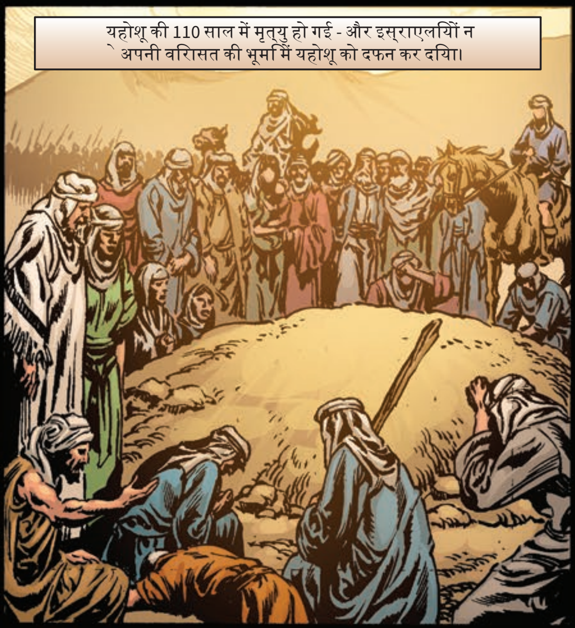

यहोशू की 110 साल में मृत्यु हो गई - और इस्राएलियों ने अपनी विरासत की भूमि में यहोशू को दफन कर दिया।

यहोशू 23-24

"THE BIBLE EXPLAINED
IN EVERY LANGUAGE."

SUPERBIBLE.TV